

### असाधारण

#### **EXTRAORDINARY**

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 9071

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 23, 2013/वैसाख 3, 1935

No. 907]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 23, 2013/VAISAKHA 3, 1935

# गृह मंत्रालय

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ. 1030(अ).—केन्द्रीय सरकार ने मलेशिया सरकार के साथ मलेशिया में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उसके निष्पादन के लिए ठहराव किया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उप-धारा (1) के खंड (ii) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि -

- (क) किसी अभियुक्त व्यक्ति को समन, या
- (ख) किसी व्यक्ति से उसके हाजिर होने और कोई दस्तावेज या अन्य चीज़
- पेश करने या उन्हें पेश करने की अपेक्षा करने वाला समन, या
- (ग) तलाशी वारंट

भारत में किसी न्यायालय द्वारा, दो प्रतियों में, मलेशिया में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार रखने वाले उस देश के न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट को, मलेशिया सरकार के केन्द्रीय प्राधिकारी अर्थात महान्यायवादी या महान्यायवादी द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति के माध्यम से उसमें नामित व्यक्ति पर ऐसे समन की तामील या ऐसे वारंट का निष्पादन करने के लिए जारी किया जा सकेगा।

2. केन्द्रीय सरकार यह और निदेश देती है कि ऐसा समन या वारंट मलेशिया सरकार के केन्द्रीय प्राधिकारी अर्थात महान्यायवादी या महान्यायवादी द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति को पारेषित किए जाने क लिए गृह मंत्रालय (आईएस-II खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

[फा.सं.12015/10/2012-पी पी- III]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव

1647GI/2013

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### **NOTIFICATION**

New Delhi the 23rd April, 2013

**S.O.1030(E).---**Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters, on any person in Malaysia;

Now, therefore, in pursuance of clause (ii) of sub-section (1) of Section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that –

- (a) a summons to an accused person, or
- (b) a summons to any person requiring him to attend and produce documents or other thing, or to produce it, or
- (c) a search-warrant

may be issued by a Court in India in duplicate, to the Court, Judge or Magistrate in Malaysia, having authority under the law for the time being in force in that country, through the Central Authority, that is, the Attorney General or a person designated by the Attorney General of the Government of Malaysia to serve such summons or execute such warrant on the person named therein.

2. The Central Government further directs that such summons or warrant shall be sent to the IS-II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi, for transmission to the Central Authority, that is, the Attorney General or a person designated by the Attorney General of the Government of Malaysia.

[F.No.12015/10/2012-PP-III] LOKESH JHA, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ. 1031 (अ).—केन्द्रीय सरकार ने मलेशिया सरकार के साथ मलेशिया में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए ठहराव किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105 की उप-धारा (2) के परंतुक के अनुसरण में यह और विनिर्दिष्ट करती है कि ऐसी दशा में जहां भारत के किसी न्यायालय द्वारा मलेशिया में, उस देश में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार रखने वाले किसी न्यायालय, न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट से प्राप्त समन या तलाशी वारंट का निष्पादन किया गया है, वहां पेश किए गए दस्तावेज और चीजें या तलाशी के दौरान मिली चीजें ऐसे समन या तलाशी वारंट जारी करने वाले न्यायालय को गृह मंत्रालय(आईएस-II खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से पारेषित किए जाएंगे।

[फा.सं.12015/10/2012-पी पी-॥]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव,

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd April, 2013

**S.O.** 1031(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Malaysia;

Now, therefore, in pursuance of the proviso to sub-section (2) of Section 105 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that in case where a Court in India executes any summons or search warrant received from a court, Judge or Magistrate in Malaysia, having authority under the law for the time being in force in that country, the documents or things produced or things found in search shall be forwarded to the court issuing such summons or search warrant through IS-II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.

[F.No.12015/10/2012-PP-III] LOKESH JHA, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ. 1032(अ).—केन्द्रीय सरकार ने मलेशिया सरकार के साथ मलेशिया में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उसके निष्पादन के लिए ठहराव किया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ख की उपधारा (2) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट है कि किसी आपराधिक मामले में अन्वेषण या जांच के दौरान किसी व्यक्ति की हाजिरी के लिए मलेशिया में किसी स्थान पर तामील या निष्पादित किए जाने वाले समन इससे उपाबद्ध प्ररूप में जारी किए जाएंगे और ऐसे समन मलेशिया सरकार के केन्द्रीय प्राधिकारी अर्थात् महान्यायवादी या महान्यायवादी द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति को पारेषित किए जाने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय(आईएस-II खंड), नई दिल्ली को भेजे जाएंगे।

#### प्ररूप

#### साक्षी को समन

# [दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 105ख की उपधारा (2) देखिए]

सेवा में.

मलेशिया में के न्यायालय या न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट (मलेशिया सरकार के केन्द्रीय प्राधिकारी अर्थात महान्यायवादी या महान्यायवादी द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति के माध्यम से)

तारीख......20.... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया । न्यायालय की मुद्रा न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा.सं.12015/10/2012-पी पी- III]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd April, 2013

S.O.1032(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia, for services or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Malaysia;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that a summons for attendance of a person in the course of an investigation or inquiry in any criminal case, to be served or executed in any pll lace in Malaysia, shall be issued in the form annexed hereto, and such summons shall be sent to IS-II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi, for transmission to the Central Authority, that is, the Attorney General or a person designated by the Attorney General of the Government of Malaysia.

#### **FORM**

#### SUMMONS TO WITNESS

[See sub-section (2) of section 105B of the Code of Criminal Procedure, 1973]

To

The Court or Judge/Magistrate in Malaysia -----

(Through the Central Authority, that is, the Attorney General or a person designated by the Attorney General of the Government of Malaysia)

Whereas an application has been made before me that (Name of the accused) of (address) has (or is suspected to have) committed the offence of (state the offence concisely with time and place) and it appears to me that you are likely to give material evidence or to produce any document or other thing for the prosecution;

You are hereby summoned to appear before the Court on the ------day of------at --------at A.M./P.M. to produce such document or thing or to testify what you know concerning the matter of the said application, and not to depart then without the order of the Court, and you are hereby warned that, if you shall

[भाग II-खण्ड 3(ii)] भारत का राजपत्र : असाधारण

without	just	cause	neglect	or	refuse	to	appear	on	the	said	date,	а	warrant	will	be	issued	to	compel	you
attenda	nce																		

Given under my hand and the seal of the Court this -----day of -----20 .....

Seal of the Court

Signature of the Judge/Magistrate

[F.No.12015/10/2012-PP-III]

LOKESH JHA, Jt. Secy.

# अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ. 1033(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, मलेशिया सरकार के साथ भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में मलेशिया में निवास कर रहे साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए ठहराव किया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उप-धारा (3) के अनुसरण में यह विनिर्दिष्ट करती है कि –

- (क) मलेशिया में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन भारत के न्यायालयों द्वारा इससे उपाबद्ध प्ररूप में मलेशिया के किसी सक्षम दण्ड न्यायालय को, जिसे मलेशिया में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा; और
- (ख) ऐसा कमीशन, मलेशिया सरकार में केन्द्रीय प्राधिकारी अर्थात् महान्यायवादी या महान्यायवादी द्वारा पदाभिहित किसी व्यक्ति को पारेषित किए जाने के लिए गृह मंत्रालय(आईएस-II खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

#### प्ररूप

भारत से बाहर साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन

[दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उप-धारा (3) देखिए]

	न्यायालय
प्रेषिती	
	(गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से)

मुझे यह प्रतीत होता है कि मामला संख्या......बनाम.....न्यायालय...... में......... का न्याय के उद्देश्य से साक्ष्य आवश्यक है और ऐसा साक्षी आपकी अधिकारिता की स्थानीयों सीमाओं के भीतर निवास कर रहा/रही है, और उसकी उपस्थिति को अयुक्तियुक्त विलंब, व्यय या असुविधा के बिना उपाप्त नहीं किया जा सकता है, मैं

इसके द्वारा यह अनुरोध करता हूँ कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए उक्त साक्षी को ऐसे समय और स्थान पर जो आप नियत करें, हाजिर होने के लिए समन करें और ऐसे साक्षियों की परीक्षा उन परिप्रश्न (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर करवाएं जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं;

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष अपने काउन्सेल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है तो स्वयं हाजिर हो सकेगा और उक्त साक्षी की (यथास्थिति) परीक्षा, प्रतिपरीक्षा या पुन:परीक्षा कर सकेगा ;

और, मैं, आपसे यह और अनुरोध करता हूं कि आप उक्त साक्षी के उत्तर लेखबद्ध करवाएं और सभी बहियों, पत्रों, कागजों और दस्तावेजों को, जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, पहचान के लिए सम्यक् रूप से चिन्हित कराएं और आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी मुद्रा और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अधोहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय (आईएस-II खंड), भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजें।

तारीख......20..... को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन प्रदत्त किया गया।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर

[फा.सं.12015/10/2012-पी पी- III]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd April, 2013

**S.O.** 1033(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia for taking the evidence of witnesses residing in Malaysia in relation to criminal matters in Courts in India;

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of Section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies that—

- (a) commission for examination of witnesses in Malaysia shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent criminal court of Malaysia having authority under the law for the time being in force in Malaysia; and
- (b) such Commission shall be sent to IS-II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi for transmission to the Central Authority, that is, the Attorney General or a person designated by the Attorney General of the Government of Malaysia.

### **FORM**

### COMMISSION TO EXAMINE WITNESS OUTSIDE INDIA

[See sub-section (3) of Section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974)]

IN THE COURT OF
(Through the Government of India, Ministry of Home Affairs,
New Delhi.)
Whereas it appears to me that the evidence of is necessary for the ends of
ustice in case No, Vs and that
such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his/her attendance cannot be procured
without unreasonable delay, expense or inconvenience, I, have the honour to request
and do hereby request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be
pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will
cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this Commission (for viva
voce);
Any party to the proceeding may appear before you by his/her Counsel or agent or, if not in custody,
n person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness;
And, I, further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said
witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such
examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such
examination by your official seal and signature and to return the same together with this Commission to the
undersigned through IS-II Division of the Government of India, Ministry of Home Affairs, New Delhi.
Given under my hand and the seal of the Court this day of20
Signature of the Judge/Magistrate
Seal of the Court [F. No. 12015/10/2012-PP-III]

# अधिसूचना

# नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ.1034(अ).—केन्द्रीय सरकार ने मलेशिया सरकार के साथ मलेशिया में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए ठहराव किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उप-धारा (2) के खंड (ख) के अनुसरण में, मलेशिया में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले ऐसे सभी न्यायालयों, न्यायाधीशों, या मजिस्ट्रेटों को जिन्हें मलेशिया में तत्समय प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, ऐसे न्यायालयों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा.सं.12015/10/2012-पी पी -III]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd April, 2013

**S.O.1034(E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Malaysia;

Now, therefore, in pursuance of clause (ii) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby specifies all Courts, Judges or Magistrates exercising jurisdiction in Malaysia having authority under the law in force in Malaysia as the Courts by which the Commission for the examination of witnesses residing in India may be issued.

[F.No.12015/10/2012-PP-III] LOKESH JHA, Jt. Secy.

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 2013

का.आ.1035(अ).—केन्द्रीय सरकार ने मलेशिया के साथ मलेशिया सरकार में किसी व्यक्ति पर आपराधिक मामलों के संबंध में समन या वारंट की तामील या उनके निष्पादन के लिए ठहराव किया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 105ठ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त संहिता के अध्याय 7क के उपबंध मलेशिया के संबंध में बिना किसी शर्त, अपवाद या प्रतिबंध के इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

[फा. सं. 12015/10/2012-पी पी - III]

लोकेश झा, संयुक्त सचिव

#### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 23rd April, 2013

**S.O.1035 (E).**—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Malaysia for service or execution of summons or warrant in relation to criminal matters on any person in Malaysia;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 105L of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby directs that the provisions of Chapter VIIA of the said Code shall apply without any condition, exception or qualification in relation to Malaysia with effect from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F.No.12015/10/2012-PP-III]

LOKESH JHA, Jt. Secy.